सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप कॉन्फ्रेंस

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

भूटान सरकार ने **संपूर्ण एशिया** में बाघों और उनके आवासों के संरक्षण के लिये आगामी दशक में**1 बिलियन अमेरिकी डॉलर** जुटाने के लिये पृथ्वी दिवस, 2024 पर **सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप कॉन्फ्रेंस** की मेज़बानी की।

सस्टेनेबल फाइनेंस फॉर टाइगर लैंडस्केप सम्मेलन क्या है?

- **परिचय:**
  - दो दिवसीय सम्मेलन की मेज़बानी भूटान की रानी जेत्सुन पेमा वांगचुक के संरक्षण में की जाएगी।
  - इसका उद्देश्य **बाघ परिदृश्यों के संरक्षण** के लिये 10 वर्षों में **1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की राशि एकत्रित करना** है।
    - बाघ परिदृश्य का संरक्षण **जैवविविधता को बनाए रखने**, कार्बन को पृथक करने, 100 मिलियन से अधिक लोगों को संसाधनों की आपूर्ति करने और ग्रह के समग्र स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।
  - इस सम्मेलन में टाइगर रेंज देश, अग्रगामी सोच रखने वाले सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के निवेशक, अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठन,बाघ संरक्षण संघ और अन्य संरक्षण समूह भी उपस्थिति थे।
- **सम्मेलन की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **दस बाघ रेंज वाले देशों** के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों ने अपने बाघ परिदृश्यों के संरक्षण के लिये प्रगति और महत्त्वाकांक्षाओं पर वक्तव्य दिये।
  - सम्मेलन का समापन भूटान की शाही सरकार द्वारा अपने उद्देश्य को दोहराते हुए '**पारो वक्तव्य**' के साथ किया गया।
- **फंडिंग के अन्य स्रोत:**
  - वर्ष 2010 के बाद से ग्लोबल एनवायरनमेंट फैसिलिटी ने बाघ संरक्षण के लिये वित्तपोषण में 197 मिलियन **अमेरिकी डॉलर** से अधिक राशि प्रदान की है और सह-वित्त में 880 मिलियन **अमेरिकी डॉलर** जुटाए हैं।

इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA):

- **परिचय:**
  - भारत ने **बिग कैट** की सुरक्षा के लिये अपने नेतृत्व में एक **मेगा वैश्विक गठबंधन** शुरू करने का प्रस्ताव दिया है और **100 मिलियन अमेरिकी डॉलर** की गारंटीकृत फंडिंग के साथ पाँच वर्षों तक समर्थन का आश्वासन दिया है।
  - प्रस्तावित इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस (IBCA) सात प्रमुख बिग कैट- **बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीता** की सुरक्षा एवं संरक्षण की दिशा में काम करेगा।
  - इस गठबंधन की सदस्यता **97 "रेंज" देशों के लिये खुली रहेगी**, जिनमें इन बिग कैट का प्राकृतिक आवास, साथ ही अन्य इच्छुक राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय संगठन आदि शामिल हैं।
    - यह गठबंधन वर्ष 2022 में नामीबिया से चीतों के आगमन से प्रेरित है।
  - **भारत** विश्व का **एकमात्र देश** है जहाँ **प्यूमा और जगुआर को छोड़कर बाघ, शेर, तेंदुए, हिम तेंदुए और चीते हैं।**
    - इसलिये यह उचित होगा कि भारत संयुक्त राष्ट्र (UN) जैसे संगठन के तहत सभी बड़े देशों को एक साथ लाने का नेतृत्व करे।
- **IBCA की संरचना:**
  - एक ऐसी महासभा जिसमें सभी सदस्य देश शामिल होते हैं।
  - 5 वर्ष की अवधि के लिये महासभा द्वारा निर्वाचित कम-से-कम 7 तथा अधिकतम 15 सदस्य एवं देशों की एक परिषद एवं सचिवालय शामिल हैं।
  - महासभा एक विशिष्ट अवधि के लिये **IBCA महासचिव की नियुक्ति** करेगी।

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (Panthera Tigris) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राक्रतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- CITES : परिशिष्ट-I
- WPA 1972 : अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

//

बाघ संरक्षण हेतु वैश्विक पहलें क्या हैं?

- एकीकृत बाघ पर्यावास संरक्षण कार्यक्रम (ITHCP)
- बाघ संरक्षण पर सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा
- ग्लोबल टाइगर फोरम
- वैश्विक बाघ पहल (GTI)
- **बाघ संरक्षण के लिये गठबंधन:**
    - यह उन संगठनों का **एक स्वतंत्र समूह** है जिन्होंने प्रमुख रूप से बाघ आकलन पर एक साथ बड़े पैमाने पर कार्य किया है।
    - इसके सदस्य संगठनों में **प्रकृति के संरक्षण के लिये अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN)**, **वाणिज्य में प्राणिजात और वनस्पति-जात के व्यापार-संबंधी विश्लेषण (TRAFFIC)**, **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** और **विश्व वन्यजीव कोष** शामिल हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. वाणिज्य में प्राणिजात और वनस्पति-जात के व्यापार-संबंधी विश्लेषण (TRAFFIC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2017)

1. TRAFFIC, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के अंतर्गत एक ब्यूरो है।
2. TRAFFIC का मिशन यह सुनिश्चित करना है कि वन्य पादपों और जंतुओं के व्यापार से प्रकृति के संरक्षण को खतरा न हो।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

प्रश्न. निम्नलिखित संरक्षित क्षेत्रों पर विचार कीजिये: (2012)

1. बाँदीपुर
2. भितरकणिका
3. मानस
4. सुंदरबन

उपरोक्त में से किसे टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)